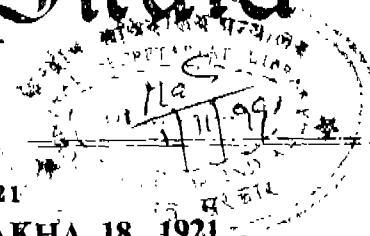




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 8, 1999/वैशाख 18, 1921
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 8, 1999/VAISAKHA 18, 1921

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए गए और जारी किये गये साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम और सम्मेलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general Character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय एवं कंपनी कार्य मंत्रालय
(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1999

सा.का.नि.137-भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुपालन में राष्ट्रपति निम्नलिखित आदेश देते हैं अर्थात् :—

कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्याय-विद्वत् श्री यरबति भस्कर राव कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के प्रतिरिक्त 3000 रु. (तीन हजार रुपये) प्रतिमाह प्रतिपूर्ति भत्ता पाने के हकदार होंगे।

[सं० के. 11017/3/99-यू. एस.-II]
श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY
AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 12th April, 1999

G.S.R. 137.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely :

That Shri Justice Yarabati Bhaskar Rao, Chief Justice of the Karnataka High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance of Rs. 3000 (Rupees three thousand) per month, for the period of his service as Chief Justice of the Karnataka High Court.

[No. K-11017/3/99-US-III]
SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

बिन्न-संज्ञासय

(आधिकार्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1999

सा.का.नि. 138—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और राष्ट्रीय बचत संगठन (समूह III और समूह IV पद) भर्ती नियमावली, 1978 में, जहां तक जिला बचत अधिकारी का संबंध है, ऐसे प्रतिस्थापन से पहले किये गये कार्य या किये जाने वाले कार्यों को छोड़कर, अंशतः प्रतिस्थापन करते हुए राष्ट्रपति, एतद्वारा राष्ट्रीय बचत संगठन में जिला बचत अधिकारी समूह "ग" के पद के भर्ती के तरीके को विनियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ होने की तारीख :—

- (1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय बचत संगठन (जिला बचत अधिकारी-समूह "ग") भर्ती नियम, 1999 होगा।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :

उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनमें संबंधित वेतनमान इन नियमों के साथ संबद्ध अनुसूची के कालम (2) और (4) में यथाविनिर्दिष्ट के अनुसार होगा।

3. भर्ती का तरीका, आयु सीमा और अन्य योग्यताएं, आदि

भर्ती का तरीका, आयु सीमा, योग्यताएं और इनमें संबंधित अन्य मामले उक्त अनुसूची के कालम (5) में (14) में यथा विनिर्दिष्ट के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यता : कोई व्यक्ति

- (क) जिम्मे ऐसी महिला से विवाह किया हो जिसका पति जीवित हो अथवा
- (ख) जिम्मे, अपनी पत्नी के जीवित रहने हुए किसी अन्य से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

अगर केन्द्र सरकार इस बात में संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अन्तर्गत विधिसम्मत हो तथा ऐसा करने के अन्य आधार हैं, तो वह इस विधान को किसी व्यक्ति पर प्रभावी होने से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति : अगर केन्द्र सरकार का मत है कि ऐसा करना आवश्यक तथा उचित है तो वह कारणों को लिखित रूप में दर्ज कर आदेश के द्वारा किसी वर्ग अथवा व्यक्तियों की श्रेणी के संबंध में इन नियमों के किसी भी प्रावधान में छूट दे सकती है।

6. अपवाद : इन नियमों में से कुछ भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतार्थ सैनिकों तथा अन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों के लिये भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुरूप प्रदान किये जाने हेतु अपेक्षित आरक्षण, आयु सीमा में छूट तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

क्रम सं.	पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन अथवा चयन-भिन्न पद
1	2	3	4	5	6
1.	जिला बचत अधिकारी	270	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी "ग" आराजपक्षित गैर- संज्ञासयीन	5500-175- 9000 रु.	योग्यता के आधार पर चयन

सीधी नियुक्ति के लिये आयु सीमा	सीधी नियुक्ति के लिये शैक्षणिक एवं अन्य योग्यताएं	सीधी नियुक्ति के लिये विहित आयु एवं शैक्षणिक योग्यताएं तथा पदोन्नति के मामले में भी लागू होगी
--------------------------------	---	---

7	8	9
22 से 29 वर्ष के बीच (अ. जा. / अ. ज. जा. के लिये 5 वर्ष तथा अ. पि. व. के लिये 3 वर्ष एवं सरकारी सेवकों के लिये 35 वर्ष की उम्र होने तक छूट)	अनिवार्य किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक। सांख्यिकीय : जन संपर्क कार्य, लोक भाषण तथा विपणन में दो वर्ष का अनुभव।	नहीं

परिक्षा की शर्तों, अगर कोई हो	भर्ती की विधि चाहे सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न विधियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती के मामले में वह ग्रेड जिससे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	अगर कोई विभागीय पदोन्नति समिति मौजूद है तो उसकी संरचना का विवरण दें	परिस्विकारों, जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाता है।
-------------------------------	---	---	---	--

10	11	12	13	14
2 वर्ष	25 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा और 75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, जिसके नहीं होने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा और दोनों के नहीं होने पर समावेशन द्वारा।	पदोन्नति : ग्रेड में 10 वर्ष की सेवा वाले उच्च श्रेणी लिपिक और आशुलिपिक (कनिष्ठ) समकक्ष अथवा समतुल्य पद धारित करने वाले केन्द्र राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी), की प्रतिनियुक्ति/समावेशन	समूह "ग" निम्नलिखित वाली विभागीय पदोन्नति समिति : 1. संयुक्त/उप राष्ट्रीय बचत आयुक्त—ग्राम्यक्ष 2. सकल में क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत—सदस्य 3. अन्य क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत—सदस्य 4. जहां आवश्यक हो, अ. ज. / अ. ज. जा. के अभ्यर्थियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले उपयुक्त पद वाला एक अधिकारी;— सदस्य	लागू नहीं

[सं. 2/8/98-एन.एस.-1]

बी.पी. ओवर, अवर सचिव

टिप्पणी :—राष्ट्रीय बचत संगठन (समूह "ग" और समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1978 सा.का.नि.सं. 1346 दिनांक 30-12-1978 द्वारा प्रकाशित और तत्पश्चात् सा.आ. 339(अ.) दिनांक 12-4-1982, सा.का.नि. 80, दिनांक 24-1-1989 और सा.का.नि. 18 दिनांक 5-1-1996 द्वारा संशोधित।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 22nd April, 1999

G.S.R. 138.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in partial supersession of the National Savings Organisation (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1978 in so far as they relate to the post of District Savings Officer except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of District Savings Officer-Group 'C' in the National Savings Organisation, namely :—

1. Short title and commencements.—(1) These rules may be called the National Savings Organisation (District Savings Officers-Group 'C') Recruitment Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings : Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the other Backward Classes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

2. Number of posts, Classification and scale of pay.—The number of said posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person :—

- (a) who has entered into or contracted marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

SCHEDULE

S. No.	Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay
1	2	3	4	5
1.	District Savings Officer £	270	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted. Non-Ministerial	Rs. 5500-175-9000
Whether selection or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruit	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	
6	7	8	9	
Selection by merit.	Between 22—29 years (Relaxable by 5 years for SC/ST and by 3 years for OBC, and upto 35 yrs for Govt. servants)	Essential : Degree of a recognised University. Desirable : Two years' experience in public relations work, public speaking and salesmanship.	No	

Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer and percentage of posts to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made
-----------------------------	---	--

10

11

12

2 years.	25 per cent by promotion and 75 per cent by direct recruitment failing which by deputation and failing both by absorption.	Promotion Upper Division Clerks and Stenographers (Jr.) with 10 years' service in the grade. Deputation/Absorption Of other Central/State Govt. employees holding analogous or equivalent posts. (Period of deputation, ordinarily, not exceeding 3 years.)
----------	--	---

If a Departmental Promotion Committee exists, give its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
--	---

13

14

Group 'C':

Not applicable.

Departmental Promotion Committee consisting of :—

1. Jt./Dy. National Savings Commissioner . . . Chairman
2. Regional Director, National Savings in the Circle . . . Member
3. Another Regional Director, National Savings . . . Member
4. An Officer of appropriate status representing the interests of SC/ST candidates wherever necessary . . . Member.

[F. No. 2/8/98-N.S.I.]

B. P. GROVER, Under Secy.

Note :— The National Savings Organisation (Group 'C' and Group 'D' posts) Recruitment Rules 1978 published vide GSR No. 146 dated 30-12-1978 and subsequently amended vide S.O. No. 339(E) dated 12-4-1982, GSR No. 80 dated 24-1-1989 and GSR No. 18 dated 5-1-1996.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

(केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड)

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1999

सा. का. नि. 139.—भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 31 की उपधारा (1) की प्रवृत्ति के अन्तर्गत, 1950 में और

संशोधन करने के लिए तारीख 26 दिसम्बर, 1998 के भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3 उपखंड (1) में पृष्ठ 955—957 पर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) (केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड) की तारीख 10 दिसम्बर, 1998 की अधिसूचना संख्या सं. का. नि. 256 में कतिपय प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकाशित किए गए थे, जिनमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी उस राजपत्र के प्रकाशन के उपलब्ध होने से 45 दिन की अवधि तक प्रतिक्रिया और सुझाव मांगे थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ आम जनता की 4 जनवरी 1999 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और आम जनता से, कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाना है, अर्थात् :

1. (1) इन नियमों को भारतीय बॉयलर (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1999 कहा जाएगा।

(2) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. इंडियन बॉयलर रेगुलेशन, 1950 जिन्हें तत्पश्चात् उक्त रेगुलेशन कहा जाएगा में विनियम 3 में, उप विनियम (5), (6) व (7) हटा दिये जायेंगे।

3. उक्त विनियमों के विनियम 43 के स्थान पर, निम्नलिखित उप विनियम प्रतिस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :—

(4) "सुप्रसिद्ध इस्पात निर्माता" "सुप्रसिद्ध ट्यूब/पाईप निर्माता", "सुप्रसिद्ध फाउण्ट्री" या "सुप्रसिद्ध फोर्ज" के रूप में मान्यता चाहने वाली विदेशी कम्पनियों को, मूल्यांकन समिति के दोरे के खर्च हेतु भरे हुए प्रश्नमाला फार्म के साथ दस हजार अमरीकी डालर शुल्क के रूप में जमा करने होंगे।

परन्तु जहाँ कम्पनी का उसी देश में एक से अधिक निर्माण कारखाना हो तो ऐसी प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के लिए दो हजार अमरीकी डालर की दर से अतिरिक्त शुल्क जमा करने होंगे।

(4ए) मूल्यांकन समिति शुल्क प्राप्ति के 120 दिन तक निर्माण शाला की मूल्यांकन करेगी।

4. उक्त विनियमों में, विनियम 8 में, उपविनियम (बी) व उसके निम्नलिखित टिप्पणी हटा दी जाएगी :—

5. उक्त विनियमों में, विनियम 382 में उप विनियम (ए) में, राज्यों व संघ क्षेत्रों और उनके विशिष्ट अक्षरों की सूची में, —

(क) प्रविष्टि "बिहार—बी आर" के पश्चात्, निम्नलिखित निविष्ट किया जायेगा अर्थात्

"दादरा और नगर हवेली—डी एन एम",

(ख) प्रविष्टि "हिमाचल प्रदेश—एच बी" के पश्चात् निम्नलिखित निविष्ट किया जायेगा अर्थात् :—

"कर्नाटक—के.टी.के."

(ग) प्रविष्टि "मैसूर—एम वाई एम" हटा दी जायेगी।

6. उक्त विनियमों में, विनियम 622 में, उप विनियम (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उप विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"(ए) (i) धारा 7 की उपधारा (1) के अन्तर्गत, प्रार्थना पत्र के साथ दी जाने वाली शुल्क पांच सौ रुपये प्रति बर्षांतर होंगी।

(ii) वार्षिक निरीक्षण शुल्क पांच सौ रुपये प्रति बर्षांतर होंगी।"

[मिसिल सं. 6(8)/98/—बॉयलर]

विजय कुमार गोयल, सचिव, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड

पाद टिप्पण :—मूल विनियम एम.आर.ओ.संख्या 600 दिनांक 15 सितम्बर, 1950 में केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किये गये थे व अन्तिम बार निम्नलिखित अधिसूचना से संशोधित किये गये थे :—

- (1) सा.का.नि. संख्या 178 दिनांक 24 मार्च, 1990
- (2) सा.का.नि. संख्या 179 दिनांक 24 मार्च, 1990
- (3) सा.का.नि. संख्या 488 दिनांक 9 अक्टूबर, 1993
- (4) सा.का.नि. संख्या 516 दिनांक 23 अक्टूबर, 1993
- (5) सा.का.नि. संख्या 634 दिनांक 25 दिसम्बर, 1993
- (6) सा.का.नि. संख्या 107 दिनांक 26 फरवरी, 1994
- (शुद्धि पत्र सा.का.नि. संख्या 223 दिनांक 14 मई 1994)
- (7) सा.का.नि. संख्या 250 दिनांक 4 जन, 1994
- (8) सा.का.नि. संख्या 402 दिनांक 12 अगस्त, 1994
- (9) सा.का.नि. संख्या 427 दिनांक 20 अगस्त, 1994
- (10) सा.का.नि. संख्या 562 दिनांक 12 नवम्बर, 1994
- (11) सा.का.नि. संख्या 607 दिनांक 10 दिसम्बर, 1994
- (12) सा.का.नि. संख्या 83 दिनांक 25 फरवरी, 1995
- (13) सा.का.नि. संख्या 93 दिनांक 4 मार्च, 1995
- (14) सा.का.नि. संख्या 488 दिनांक 9 नवम्बर, 1996
- (15) सा.का.नि. संख्या 582 दिनांक 28 दिसम्बर, 1996
- (16) सा.का.नि. संख्या 59 दिनांक 25 फरवरी, 1997
- (17) सा.का.नि. संख्या 117 दिनांक 1 मार्च, 1997
- (18) सा.का.नि. संख्या 172 दिनांक 29 मार्च, 1997
- (19) सा.का.नि. संख्या 221 दिनांक 21 नवम्बर, 1998
- (20) अन्तर प्रिन्ट

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

(Central Boilers Board)

New Delhi, the 19th April, 1999

G.S.R. 139.—Whereas certain draft regulations, further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published, as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at pages 955 to 957 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 26th December, 1998 under the notification of the

Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) number G.S.R. 256 dated the 10th December, 1998 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of forty-five days from the date on which copies of the Gazette in which the said notification was published were made available to the public:

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 4th January, 1999;

And whereas no objections/suggestions have been received;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations shall be called the Indian Boiler (Second Amendment) Regulations, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 3, sub-regulations (5), (6) and (7) shall be omitted;

3. In the said regulations, in regulation 4A, for sub-regulation (4), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

“(4) In case of firms in foreign countries seeking recognition as “Well known Steel Market”, “Well known Pipe/Tube maker”, “Well known Foundry or Well known Forge”, a fee of US \$ 10,000/- (Ten Thousand US Dollars) to meet the expenses of the visit of the Evaluation Committee shall be deposited along with the completed Questionnaire form.

Provided that where the firm has more than one manufacturing unit in the same country, an additional fee at the rate of US \$ 2000/- (Two Thousand US Dollars) per additional unit shall be deposited.

The Evaluation Committee shall carry out the evaluation of the manufacturing works of the firm within 120 days of receipt of the fees”.

4. In the said regulations, in regulation 8, sub-regulation (b) and the note thereunder shall be omitted.

5. In the said regulations, in regulation 382, in sub-regulation (o), in the list of States and Union Territories with their distinguishing letters,—

(i) after the entry “Bihar...BR”, the following shall be inserted, namely :—

“Dadra and Nagar Haveli DNH”;

(ii) after the entry “Himachal Pradesh HP”, the following shall be inserted, namely :—

“Karnataka KTK”;

(iii) the entry “Mysore.....MYS” shall be omitted.

6. In the said regulations, in regulation 622, for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely :

“(a) (i) The fee required to accompany an application under sub-section (1) of section 7 shall be five hundred rupees per boiler.

(ii) The annual inspection fee shall be five hundred rupees per boiler”.

[F. No. 6(8)/98-Boilers]
V. K. GOEL, Secy.,
Central Boilers Board

Footnote.—The principal regulations were published in the Gazette of India vide S.O. 600, dated the 15th September, 1950 and subsequently amended vide notifications —

- (i) G.S.R. 178, dated the 24th March, 1990;
- (ii) G.S.R. 179, dated the 24th March, 1990;
- (iii) G.S.R. 488, dated the 9th October, 1993;
- (iv) G.S.R. 516 dated the 23rd October, 1993;
- (v) G.S.R. 634 dated the 25th December, 1993;
- (vi) G.S.R. 107 dated the 26th February, 1994;
Errata G.S.R. 223 dated the 14th May, 1994;
- (vii) G.S.R. 250 dated the 4th June, 1994;
- (viii) G.S.R. 402 dated the 13th August, 1994;
- (ix) G.S.R. 427 dated the 20th August, 1994;
- (x) G.S.R. 562 dated the 12th November, 1994;
- (xi) G.S.R. 607 dated the 10th December, 1994;
- (xii) G.S.R. 83 dated the 25th February, 1995;

- (xiii) G.S.R. 93 dated the 4th March, 1995;
- (xiv) G.S.R. 488 dated the 9th November, 1996;
- (xv) G.S.R. 582 dated the 28th December, 1996;
- (xvi) G.S.R. 59 dated the 25th January, 1997;
- (xvii) G.S.R. 117 dated the 1st March, 1997;
- (xviii) G.S.R. 172 dated the 29th March, 1997;
- (xix) G.S.R. 221 dated the 21st November, 1998;
- (xx) Under print.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1999

सं. का. नि. 140—केंद्रीय सरकार का रेल मंत्रालय खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 2 के खंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोंकण रेल निगम के स्वामित्व वाले या उसके द्वारा अनुरक्षित सभी रेल स्टेशनों/रेल स्टेशनों के समूह को जिसके अंतर्गत कोई

रेल कालोनी कार्यालय, यार्ड, मालगोदाम, यानांतरण शेड कर्मचाली तथा अन्य संकर्म भी आता है उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए स्थायी क्षेत्र घोषित करता है ।

[फा. सं. 98/एच-आई/8/90]

डी. पी. त्रिपाठी, सचिव, रेलवे बोर्ड,

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 22nd April, 1999

G.S.R. 140.—In exercise of the powers conferred by clause (vii) of Section 2 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government in the Ministry of Railways hereby declare all Railway Stations/ Group of Railway Stations, including any Railway Colony, office, yard, goods shed, Transhipment shed, workshop and other works owned or maintained by Konkan Railway Corporation as local area for the purposes of the said Act.

[F. No. 98/H-I/8/10]

D. P. TRIPATHI, Secy., Railway Board